।।प्यारा सा मुखड़ा।।

प्यारा सा मुखड़ा, घुंघराले केश,
कलयुग का राजा, खाटु नरेश,
हारे का सहारा है, मेरा श्याम धणी,
भक्तो का दुलारा है, मेरा श्याम धणी।

बन संवर के बैठा, ये तो दरबार अपना लगा के,
देख लो करिश्मा, श्याम चरणों में सर को झुका के,
कष्ट कटे दुखड़े मिटे, देता छुटकारा है,
मेरा श्याम धणी, भक्तो का दुलारा है, मेरा श्याम धणी।

आ रहे है लाखो, श्याम बाबा का करते है दर्शन,
ध्यान से जो देखे, इनके चेहरे में है वो आकर्षण,
दीवाना कर देता, ऐसा जादुगारा है,
मेरा श्याम धणी, भक्तो का दुलारा है, मेरा श्याम धणी।

मुझको जो कुछ मिला है, कैसे शब्दों में वर्णन करूँ मैं,
बार बार आकर, इस दाता के पड़या पड़ू मैं,
दिल मेरा यूँ बोले, 'बिन्नू' ये तुम्हारा है,
मेरा श्याम धणी, भक्तो का दुलारा है, मेरा श्याम धणी।

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com